



## हमको कई मोर्चों पर काम करना होगा जैसाकि इम्पार ने ग्रुप बनाकर किया है।

1. अपने पड़ोसी हिंदुओं से निकट संबंध बनाना। उनकी खुशियों और गम में शामिल होना और अपनी खुशी-गम में शामिल करना। संवाद हीनता को तोड़ना।
2. मुस्लिम बच्चों को गणित, विज्ञान और टेकनोलोजी में माहिर बनाना। इल्मी इज्जतमा यानी ज्ञान-विज्ञान सम्मेलन का आयोजन करना।
3. मुस्लिम महिलाओं को रोज़गार में लाना। उनके रोज़गार के लिये विशेषज्ञ समितियों का गठन जो क्षेत्र के हिसाब से रोज़गार का सुझाव दे।
4. कारीगरों के लिये नई टेकनीक की जानकारी देना ताकि उनके काम में तेज़ी और महारत आये।
5. स्वास्थ्य का इंतज़ाम, इलाकाई डिस्पेंसरी, सहकारी टेस्टिंग लेब का इंतज़ाम, सफाई जागरूकता अभियान आदि।
6. मुस्लिमों का अलग से सर्वे की क़वायद, उनके आंकड़े एकत्रित करना। एक डेटा बैंक बनाना।
7. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये व्यापक अभियान चलाना। रोज़गार सुझाव के लिये विशेषज्ञ समितियों का गठन।
8. मीडिया और सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर कार्यशालाओं का आयोजन।

इसी तरह के अनेक कामों की शुरुआत करनी होगी।